No. of Printed Pages : **4**

BPY-001

01809

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

December, 2016

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer **all five** questions.*

*(ii) **All** questions carry **equal** marks.*

*(iii) Answers to question no. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. What are Vedangas ? Explain their functions in detail. **20**

OR

Explain the Cosmology of Uddaalaka as described in the Chandogya Upanishad in detail. **20**

2. What are the different states of consciousness as given in the Mandukya Upanishad ? Explain. **20**

OR

Give a detailed account of Jaina epistemology. **20**

3. Answer **any two** of the following questions in about **200** words each :

(a) Discuss the nature of Brahman as described in the Mundaka Upanishad. **10**

(b) Examine the philosophical implications of Tajjalanjti as given in Chandogya Upanishad. **10**

(c) Explain the different theories of theology in the Vedas. 10

(d) Give an account of the practical teachings of Buddhism. 10

4. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

(a) What are the three visualizations of creation in the Aitareopanishad ? 5

(b) Describe the vision of life in the Isa Upanishad. 5

(c) Explain briefly the metaphysical views of Buddhism. 5

(d) Give a brief account of the Vaibhasika and the Sautrantika Schools of Buddhism. 5

(e) Write a short note on the meaning and classification of the Vedas. 5

(f) Briefly explain the unique features of the Svetasvatara Upanishad. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Mythology 4

(b) Bheeshma's political philosophy 4

(c) Swapiti 4

(d) Moksha 4

(e) Nature of self in the Katha Upanishad 4

(f) Prana and human body 4

(g) Tri ratnas in Jainism 4

(h) Nirvana 4

बी.पी.वाई.-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2016
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।*

---

1. वेदांग क्या है? उनके कार्यों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णित उद्दालक के ब्रह्माण्ड शास्त्र की विस्तृत व्याख्या कीजिए। 20

2. माण्डूक्य उपनिषद् में प्रस्तुत चेतना की चार अवस्थाएँ कौन-सी हैं? व्याख्या करें। 20

अथवा

जैन ज्ञानमीमांसा का विस्तार से विवरण प्रस्तुत कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

   (a) मुण्डक उपनिषद् में प्रस्तुत ब्रह्म की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। 10

   (b) छान्दोग्य उपनिषद् में वर्णित तज्जलानिती के दार्शनिक निहितार्थों का परीक्षण कीजिए। 10

(c) वेदों में उपस्थित विभिन्न ईश्वरमीमांसीय सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए। 10

(d) बौद्ध दर्शन की व्यावहारिक शिक्षाओं का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(a) एतरेय उपनिषद् में प्रस्तुत तीन सृष्टि-निर्माण दृष्टियाँ कौन-सी हैं? 5

(b) ईशोपनिषद् की जीवन-दृष्टियों का वर्णन कीजिए। 5

(c) बौद्ध दर्शन के तत्वमीमांसीय विचारों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5

(d) बौद्ध दर्शन की वैभाषिक एवं सौत्रान्तिक शाखाओं का संक्षिप्त विवरण दें। 5

(e) वेदों का अर्थ एवं वर्गीकरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5

(f) श्वेताश्वतर उपनिषद् के विशिष्ट लक्षणों को संक्षेप में स्पष्ट करें। 5

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर प्रत्येक में लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(a) मिथक शास्त्र 4

(b) भीष्म का राजनैतिक दर्शन 4

(c) स्वापति 4

(d) मोक्ष 4

(e) कठोपनिषद् में प्रस्तुत आत्म की प्रकृति 4

(f) प्राण एवं मानव शरीर 4

(g) जैन दर्शन के त्री रत्न 4

(h) निर्वाण 4